

चाणक्य नीति



1. तीनों लोको के स्वामी सर्वशक्तिमान भगवान विष्णु को नमन करते हुए मैं एक राज्य के लिए नीति शास्त्र के सिद्धांतों को कहता हूँ. मैं यह सूत्र अनेक शास्त्रों का आधार ले कर कह रहा हूँ।

1. Humbly bowing down before the almighty Lord Sri Vishnu, the Lord of the three worlds, I recite maxims of the science of political ethics (niti) selected from the various satras (scriptures).

2. जो व्यक्ति शास्त्रों के सूत्रों का अभ्यास करके ज्ञान ग्रहण करेगा उसे अत्यंत वैभवशाली कर्तव्य के सिद्धांत ज्ञात होंगे। उसे इस बात का पता चलेगा कि किन बातों का अनुशरण करना चाहिए और किनका नहीं। उसे अच्छाई और बुराई का भी ज्ञात होगा और अंततः उसे सर्वोत्तम का भी ज्ञान होगा।

2. That man who by the study of these maxims from the satras acquires a knowledge of the most celebrated principles of duty, and understands what ought and what ought not to be followed, and what is good and what is bad, is most excellent.

3. इसलिए लोगों का भला करने के लिए मैं उन बातों को कहूंगा जिनसे लोग सभी चीजों को सही परिपेक्ष्य में देखेंगे।

3. Therefore with an eye to the public good, I shall speak that which, when understood, will lead to an understanding of things in their proper perspective.

4. एक पंडित भी घोर कष्ट में आ जाता है यदि वह किसी मुखर्ष को उपदेश देता है, यदि वह एक दुष्ट पत्नी का पालन-पोषण करता है या किसी दुखी व्यक्ति के साथ अत्यंत घनिष्ठ सम्बन्ध बना लेता है.

4. Even a pandit comes to grief by giving instruction to a foolish disciple, by maintaining a wicked wife, and by excessive familiarity with the miserable.

चाणक्य नीति

2

५. दुष्ट पत्नी, झूठा मित्र, बदमाश नौकर और सर्प के साथ निवास साक्षात् मृत्यु के समान है।
5. A wicked wife, a false friend, a saucy servant and living in a house with a serpent in it are nothing but death.

६ . व्यक्ति को आने वाली मुसीबतों से निबटने के लिए धन संचय करना चाहिए। उसे धन-सम्पदा त्यागकर भी पत्नी की सुरक्षा करनी चाहिए। लेकिन यदि आत्मा की सुरक्षा की बात आती है तो उसे धन और पत्नी दोनों को तुल्य समझना चाहिए।

6. One should save his money against hard times, save his wife at the sacrifice of his riches, but invariably one should save his soul even at the sacrifice of his wife and riches.

७ . भविष्य में आने वाली मुसीबतों के लिए धन एकत्रित करें। ऐसा ना सोचें की धनवान व्यक्ति को मुसीबत कैसी? जब धन साथ छोड़ता है तो संगठित धन भी तेजी से घटने लगता है।

7. Save your wealth against future calamity. Do not say, "What fear has a rich man, of calamity?" When riches begin to forsake one even the accumulated stock dwindles away.

८. उस देश में निवास न करें जहाँ आपकी कोई ईज्जत नहीं हो, जहाँ आप रोजगार नहीं कमा सकते, जहाँ आपका कोई मित्र नहीं और जहाँ आप कोई ज्ञान अर्जित नहीं कर सकते।

8. Do not inhabit a country where you are not respected, cannot earn your livelihood, have no friends, or cannot acquire knowledge.

९. ऐसे जगह एक दिन भी निवास न करें जहाँ निम्नलिखित पांच ना हो:

एक धनवान व्यक्ति ,

एक ब्राह्मण जो वैदिक शास्त्रों में निपुण हो,

एक राजा,

एक नदी ,

और एक चिकित्सक।

चाणक्य नीति

3

9. Do not stay for a single day where there are not these five persons: a wealthy man, a brahmin well versed in Vedic lore, a king, a river and a physician.

१० . बुद्धिमान व्यक्ति को ऐसे देश में कभी नहीं जाना चाहिए जहाँ :
रोजगार कमाने का कोई माध्यम ना हो,
जहा लोगों को किसी बात का भय न हो,
जहा लोगो को किसी बात की लज्जा न हो,
जहा लोग बुद्धिमान न हो,
और जहाँ लोगो की वृत्ति दान धरम करने की ना हो।

10. Wise men should never go into a country where there are no means of earning one's livelihood, where the people have no dread of anybody, have no sense of shame, no intelligence, or a charitable disposition.

११ . नौकर की परीक्षा तब करें जब वह कर्त्तव्य का पालन न कर रहा हो,
रिशतेदार की परीक्षा तब करें जब आप मुसीबत मे घिरे हों,
मित्र की परीक्षा विपरीत परिस्थितियों मे करें,
और जब आपका वक्त अच्छा न चल रहा हो तब पत्नी की परीक्षा करे।

१२. अच्छा मित्र वही है जो हमे निम्नलिखित परिस्थितियों में नहीं त्यागे:
आवश्यकता पड़ने पर,
किसी दुर्घटना पड़ने पर,
जब अकाल पड़ा हो,
जब युद्ध चल रहा हो,
जब हमे राजा के दरबार मे जाना पड़े,
और जब हमे समशान घाट जाना पड़े।

12. He is a true friend who does not forsake us in time of need, misfortune, famine, or war, in a king's court, or at the crematorium (smasana).

चाणक्य नीति

4

१३ . जो व्यक्ति कसी नाशवंत चीज के लिए कभी नाश नहीं होने वाली चीज को छोड़ देता है, तो उसके हाथ से अविनाशी वस्तु तो चली ही जाती है और इसमे कोई संदेह नहीं की नाशवान को भी वह खो देता है।

13. He who gives up what is imperishable for that which is perishable, loses that which is imperishable; and doubtlessly loses that which is perishable also.

१४ . एक बुद्धिमान व्यक्ति को किसी इज्जतदार घर की अविवाहित कन्या से किस वयंग होने के बावजूद भी विवाह करना चाहिए। उसे किसी हीन घर की अत्यंत सुन्दर स्त्री से भी विवाह नहीं करनी चाहिए। शादी-विवाह हमेशा बराबरी के घरों में ही उचित होता है।

14. A wise man should marry a virgin of a respectable family even if she is deformed. He should not marry one of a low-class family, through beauty. Marriage in a family of equal status is preferable.

15. इन 5 पर कभी विश्वास ना करें :

1. नदियां,
2. जिन व्यक्तियों के पास अशत्र-शस्त्र हों,
3. नाखून और सींग वाले पशु,
4. औरतें (यहाँ संकेत भोली सूरत की तरफ है, बहने बुरा न माने)
5. राज घरानों के लोगो पर।

15. Do not put your trust in rivers, men who carry weapons, beasts with claws or horns, women, and members of a royal family.

16. अगर हो सके तो विष में से भी अमृत निकाल लें,
यदि सोना गन्दगी में भी पड़ा हो तो उसे उठाये, धोएं और अपनाये,
निचले कुल में जन्म लेने वाले से भी सर्वोत्तम ज्ञान ग्रहण करें,
उसी तरह यदि कोई बदनाम घर की कन्या भी महान गुणों से संपन्न है और आपको कोई सीख

चाणक्य नीति

5

देती है तो गहण करे.

16. Even from poison extract nectar, wash and take back gold if it has fallen in filth, receive the highest knowledge (Krsna consciousness) from a low born person; so also a girl possessing virtuous qualities (stri-ratna) even if she were born in a disreputable family.

१७ . महिलाओं में पुरुषों कि अपेक्षा:

भूख दो गुना,

लज्जा चार गुना,

साहस छः गुना,

और काम आठ गुना होती है।

17. Women have hunger two-fold, shyness four-fold, daring six-fold, and lust eight-fold as compared to men.

18. झूठ बोलना, कठोरता, छल करना, बेवकूफी करना, लालच, अपवित्रता और निर्दयता ये औरतो के कुछ नैसर्गिक दुर्गुण है।

18. Untruthfulness, rashness, guile, stupidity, avarice, uncleanliness and cruelty are a woman's seven natural flaws.

19. भोजन के योग्य पदार्थ और भोजन करने की क्षमता, सुन्दर स्त्री और उसे भोगने के लिए काम शक्ति, पर्याप्त धनराशी तथा दान देने की भावना - ऐसे संयोगों का होना सामान्य तप का फल नहीं है।

19. To have ability for eating when dishes are ready at hand, to be robust and virile in the company of one's religiously wedded wife, and to have a mind for making charity when one is prosperous are the fruits of no ordinary austerities.

चाणक्य नीति

6

20. उस व्यक्ति ने धरती पर ही स्वर्ग को पा लिया :

१. जिसका पुत्र आज्ञाकारी है,
२. जिसकी पत्नी उसकी इच्छा के अनुरूप व्यवहार करती है,
३. जिसे अपने धन पर संतोष है।

20. He whose son is obedient to him, whose wife's conduct is in accordance with his wishes, and who is content with his riches, has his heaven here on earth.

21. पुत्र वही है जो पिता का कहना मानता हो, पिता वही है जो पुत्रों का पालन-पोषण करे, मित्र वही है जिस पर आप विश्वास कर सकते हों और पत्नी वही है जिससे सुख प्राप्त हो।

21. They alone are sons who are devoted to their father. He is a father who supports his sons. He is a friend in whom we can confide, and she only is a wife in whose company the husband feels contented and peaceful.

22. ऐसे लोगों से बचे जो आपके मुह पर तो मीठी बातें करते हैं, लेकिन आपके पीठ पीछे आपको बर्बाद करने की योजना बनाते हैं, ऐसा करने वाले तो उस विष के घड़े के समान हैं जिसकी उपरी सतह दूध से भरी है।

22. Avoid him who talks sweetly before you but tries to ruin you behind your back, for he is like a pitcher of poison with milk on top.

23. एक बुरे मित्र पर तो कभी विश्वास ना करे। एक अच्छे मित्र पर भी विश्वास ना करें। क्योंकि यदि ऐसे लोग आपसे रूठ होते हैं तो आप के सभी राज से पर्दा खोल देंगे।

23. Do not put your trust in a bad companion nor even trust an ordinary friend, for if he should get angry with you, he may bring all your secrets to light.

चाणक्य नीति

7

24. मन में सौंचे हुए कार्य को किसी के सामने प्रकट न करें बल्कि मनन पूर्वक उसकी सुरक्षा करते हुए उसे कार्य में परिणत कर दें।

24. Do not reveal what you have thought upon doing, but by wise counsel keep it secret, being determined to carry it into execution.

25. मुखता दुखदायी है, जवानी भी दुखदायी है,लेकिन इन सबसे कहीं ज्यादा दुखदायी किसी दुसरे के घर जाकर उसका अहसान लेना है।

25. Foolishness is indeed painful, and verily so is youth, but more painful by far than either is being obliged in another person's house.

26. हर पर्वत पर माणिक्य नहीं होते, हर हाथी के सर पर मणी नहीं होता, सज्जन पुरुष भी हर जगह नहीं होते और हर वन मे चन्दन के वृक्ष भी नहीं होते हैं।

26. There does not exist a pearl in every mountain, nor a pearl in the head of every elephant; neither are the sadhus to be found everywhere, nor sandal trees in every forest.

[Note: Only elephants in royal palaces are seen decorated with pearls (precious stones) on their heads].

27. बुद्धिमान पिता को अपने पुत्रों को शुभ गुणों की सीख देनी चाहिए क्योंकि नीतिज्ञ और ज्ञानी व्यक्तियों की ही कुल में पूजा होती है।

27. Wise men should always bring up their sons in various moral ways, for children who have knowledge of niti-sastra and are well behaved become a glory to their family.

28. जो माता व पिता अपने बच्चों को शिक्षा नहीं देते है वो तो बच्चों के शत्रु के सामान हैं। क्योंकि वे विद्याहीन बालक विद्वानों की सभा में वैसे ही तिरस्कृत किये जाते हैं जैसे हंसो की सभा मे बगुले।

चाणक्य नीति

8

28. Those parents who do not educate their sons are their enemies; for as is a crane among swans, so are ignorant sons in a public assembly.

29. लाड-प्यार से बच्चों में गलत आदतें डलती हैं, उन्हें कड़ी शिक्षा देने से वे अच्छी आदतें सीखते हैं, इसलिए बच्चों को जरूरत पड़ने पर दण्डित करें, ज्यादा लाड ना करें।

29. Many a bad habit is developed through over indulgence, and many a good one by chastisement, therefore beat your son as well as your pupil; never indulge them. ("Spare the rod and spoil the child.")

30. ऐसा एक भी दिन नहीं जाना चाहिए जब आपने एक श्लोक, आधा श्लोक, चौथाई श्लोक, या श्लोक का केवल एक अक्षर नहीं सीखा, या आपने दान, अभ्यास या कोई पवित्र कार्य नहीं किया।

30. Let not a single day pass without your learning a verse, half a verse, or a fourth of it, or even one letter of it; nor without attending to charity, study and other pious activity.

31. पत्नी का वियोग होना, आपने ही लोगों से बे-इज्जत होना, बचा हुआ ऋण, दुष्ट राजा की सेवा करना, गरीबी एवं दरिद्रों की सभा - ये छह बातें शरीर को बिना अग्नि के ही जला देती हैं।

31. Separation from the wife, disgrace from one's own people, an enemy saved in battle, service to a wicked king, poverty, and a mismanaged assembly: these six kinds of evils, if afflicting a person, burn him even without fire.

32. नदी के किनारे वाले वृक्ष, दूसरे व्यक्ति के घर में जाने अथवा रहने वाली स्त्री एवं बिना मंत्रियों का राजा - ये सब निश्चय ही शीघ्र नष्ट हो जाते हैं।

32. Trees on a riverbank, a woman in another man's house, and kings without counselors go without doubt to swift destruction.

चाणक्य नीति

९

33. एक ब्राह्मण का बल तेज और विद्या है, एक राजा का बल उसकी सेना में है, एक वैश्य का बल उसकी दौलत में है तथा एक शूद्र का बल उसकी सेवा परायणता में है।

33. A brahmin's strength is in his learning, a king's strength is in his army, a vaishya's strength is in his wealth and a shudra's strength is in his attitude of service.

34. वेश्या को निर्धन व्यक्ति को त्याग देना चाहिए, प्रजा को पराजित राजा को त्याग देना चाहिए, पक्षियों को फलरहित वृक्ष त्याग देना चाहिए एवं अतिथियों को भोजन करने के पश्चात् मेजबान के घर से निकल देना चाहिए।

34. The prostitute has to forsake a man who has no money, the subject a king that cannot defend him, the birds a tree that bears no fruit, and the guests a house after they have finished their meals.

35. ब्राह्मण दक्षिणा मिलने के पश्चात् आपने यजमानों को छोड़ देते हैं, विद्वान विद्या प्राप्ति के बाद गुरु को छोड़ जाते हैं और पशु जले हुए वन को त्याग देते हैं।

35. Brahmins quit their patrons after receiving alms from them, scholars leave their teachers after receiving education from them, and animals desert a forest that has been burnt down.

36. जो व्यक्ति दुराचारी, कुदृष्टि वाले, एवं बुरे स्थान पर रहने वाले मनुष्य के साथ मित्रता करता है, वह शीघ्र नष्ट हो जाता है।

36. He who befriends a man whose conduct is vicious, whose vision impure, and who is notoriously crooked, is rapidly ruined.

37. प्रेम और मित्रता बराबर वालों में अच्छी लगती है, राजा के यहाँ नौकरी करने वाले को ही सम्मान मिलता है, व्यवसायों में वाणिज्य सबसे अच्छा है, एवं उत्तम गुणों वाली स्त्री अपने घर में सुरक्षित रहती है।

चाणक्य नीति

10

37. Friendship between equals flourishes, service under a king is respectable, it is good to be business-minded in public dealings, and a handsome lady is safe in her own home.

38. इस दुनिया मे ऐसा किसका घर है जिस पर कोई कलंक नहीं, वह कौन है जो रोग और दुख से मुक्त है.सदा सुख किसको रहता है?

38. In this world, whose family is there without blemish? Who is free from sickness and grief? Who is forever happy?

39. मनुष्य के कुल की ख्याति उसके आचरण से होती है, मनुष्य के बोल चल से उसके देश की ख्याति बढ़ती है, मान सम्मान उसके प्रेम को बढ़ता है, एवं उसके शारीर का गठन उसे भोजन से बढ़ता है.

39. A man's descent may be discerned by his conduct, his country by his pronunciation of language, his friendship by his warmth and glow, and his capacity to eat by his body.

40. लड़की का ब्याह अच्छे खानदान मे करना चाहिए. पुत्र को अच्छी शिक्षा देनी चाहिए, शत्रु को आपत्ति और कष्टों में डालना चाहिए, एवं मित्रों को धर्म कर्म में लगाना चाहिए.

40. Give your daughter in marriage to a good family, engage your son in learning, see that your enemy comes to grief, and engage your friends in dharma. (Krsna consciousness).

41. एक दुर्जन और एक सर्प मे यह अंतर है की साप तभी डंख मरेगा जब उसकी जान को खतरा हो लेकिन दुर्जन पग पग पर हानि पहुचने की कोशिश करेगा .

41. Of a rascal and a serpent, the serpent is the better of the two, for he strikes only at the time he is destined to kill, while the former at every step.

चाणक्य नीति

११

42. राजा लोग अपने आस पास अच्छे कुल के लोगो को इसलिए रखते है क्योंकि ऐसे लोग ना आरम्भ मे, ना बीच मे और ना ही अंत मे साथ छोड़कर जाते है.

42. Therefore kings gather round themselves men of good families, for they never forsake them either at the beginning, the middle or the end.

43. जब प्रलय का समय आता है तो समुद्र भी अपनी मयारदा छोड़कर किनारों को छोड़ अथवा तोड़ जाते है, लेकिन सज्जन पुरुष प्रलय के सामान भयंकर आपत्ति एवं विपत्ति में भी आपनी मर्यादा नहीं बदलते.

43. At the time of the pralaya (universal destruction) the oceans are to exceed their limits and seek to change, but a saintly man never changes.

44. मूर्खों के साथ मित्रता नहीं रखनी चाहिए उन्हें त्याग देना ही उचित है, क्योंकि प्रत्यक्ष रूप से वे दो पैरों वाले पशु के सामान हैं, जो अपने धारदार वचनो से वैसे ही हृदय को छलनी करता है जैसे अदृश्य काँटा शरीर में घुसकर छलनी करता है .

44. Do not keep company with a fool for as we can see he is a two-legged beast. Like an unseen thorn he pierces the heart with his sharp words.

45. रूप और यौवन से सम्पन्न तथा कुलीन परिवार में जन्मा लेने पर भी विद्या हीन पुरुष पलाश के फूल के समान है जो सुन्दर तो है लेकिन खुशबु रहित है.

45. Though men be endowed with beauty and youth and born in noble families, yet without education they are like the palasa flower, which is void of sweet fragrance.

46. कोयल की सुन्दरता उसके गायन मे है. एक स्त्री की सुन्दरता उसके अपने पिरवार के प्रति समर्पण मे है. एक बदसूरत आदमी की सुन्दरता उसके ज्ञान मे है तथा एक तपस्वी की सुन्दरता उसकी क्षमाशीलता मे है.

चाणक्य नीति

12

46. The beauty of a cuckoo is in its notes, that of a woman in her unalloyed devotion to her husband, that of an ugly person in his scholarship, and that of an ascetic in his forgiveness.

47. कुल की रक्षा के लिए एक सदस्य का बिलदान दें, गाव की रक्षा के लिए एक कुल का बिलदान दें, देश की रक्षा के लिए एक गाव का बिलदान दें, आत्मा की रक्षा के लिए देश का बिलदान दें.

47. Give up a member to save a family, a family to save a village, a village to save a country, and the country to save yourself.

48. जो उद्यमशील हैं, वे गरीब नहीं हो सकते,
जो हरदम भगवान को याद करते हैं उनसे पाप नहीं छू सकता.
जो मौन रहते हैं वो झगड़ों में नहीं पड़ते.
जो जागृत रहते हैं वो निभरय होते हैं.

48. There is no poverty for the industrious. Sin does not attach itself to the person practicing japa (chanting of the holy names of the Lord). Those who are absorbed in maunam (silent contemplation of the Lord) have no quarrel with others. They are fearless who remain always alert.

49. आत्याधिक सुन्दरता के कारण सीताहरण हुआ, अत्यंत घमंड के कारण रावन का अंत हुआ, अत्यधिक दान देने के कारण राजा बाली को बंधन में बंधना पड़ा, अतः सर्वत्र अति को त्यागना चाहिए.

50. शक्तिशाली लोगों के लिए कौनसा कार्य कठिन है? व्यापारियों के लिए कौनसा जगह दूर है, विद्वानों के लिए कोई देश विदेश नहीं है, मधुभाषियों का कोई शत्रु नहीं.

50. What is too heavy for the strong and what place is too distant for those who put forth effort? What country is foreign to a man of true learning? Who can be inimical to one who speaks pleasingly?

चाणक्य नीति

13

दोस्तों चाणक्य के अनगिनत सूत्रों में प्रथम 50 सूत्रों को आपने पढ़ा. आगे के सूत्र आप यहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं.

1. डाउनलोड > [चाणक्य नीति पार्ट 2- Chanakya Quotes \[51-100\]](#)
2. डाउनलोड > [चाणक्य नीति पार्ट 2- Chanakya Quotes \[51-100\]](#)
3. डाउनलोड > [चाणक्य नीति पार्ट 3-Chanakya Quotes \[101-150\]](#)
4. डाउनलोड > [चाणक्य नीति पार्ट 4-Chanakya Quotes \[151-200\]](#)
5. डाउनलोड > [चाणक्य नीति पार्ट 5-Chanakya Quotes \[201-250\]](#)
6. डाउनलोड > [चाणक्य नीति पार्ट 6-Chanakya Quotes \[251-300\]](#)
7. डाउनलोड > [चाणक्य नीति पार्ट 7-Chanakya Quotes \[301-350\]](#)

[सम्पूर्ण चाणक्य नीति पढ़ने के लिए यहाँ क्लिक करें](#)